

प्रेमना,

महीन चन्द शर्मा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
सहकारी समितियाँ,  
उत्तरांचल।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:

देहरादून:

दिनांक: 7 जून, 2006

विषय:-

चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए पैक्स मिनी बैंकों में जमा निक्षेपों के लिए  
निक्षेप गारन्टी योजना (कारपस फण्ड) के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 650/नियो0/कारपस फण्ड/2006-07, दिनांक 18.05.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में सहकारिता विभाग के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की पैक्स मिनी बैंकों में जमा निक्षेपों के लिए निक्षेप गारन्टी योजना (कारपस फण्ड) हेतु कुल रु0 6.00 लाख (रुपये छः लाख मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति पर राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय।

3. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं अनुमोदित कार्यों/मदों पर व्यय किया जाय तथा किसी ऐसे मद/कार्य पर धनराशि का व्यय न किया जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है। स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्ही मदों में किया जाय जिसके लिए स्वीकृति दी जा रही है। यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे और उनसे अनाधिकृत व्यय की वसूली की जाएगी।

4. उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग तथा महालेखाकार को गिजवाना सुनिश्चित करें।

5. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न किया जाय, जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। प्रशासनिक व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता संबंधी जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लेखित सुसंगत नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।



6. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.03.2007 तक सुनिश्चित कर लिया जाय और उक्त तिथि तक कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाय।

7. उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-आयोजनागत -00, -800-अन्त व्यय, 10-पैदाश पिनो बैंकों में जमा निक्षेपों के लिए निक्षेप गारन्टी योजना, 00-, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

10. यह आदेश वित्त विभाग की अशा10 पत्र संख्या-153/वित्त अनुभाग-4/दिनांक 7.6.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,



(नवीन चन्द शर्मा)

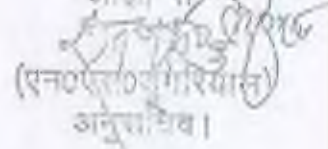
सचिव।

संख्या-492(I)/XIV-1/2006/तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हथफारी, उत्तरांचल देहरादून।
2. सगरत कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
3. अपर निबंधक, सहकारी समितियों, उत्तरांचल।
- ✓ 4. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, उत्तरांचल।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तरांचल शासन।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(एन0कुमार0सिंह)  
अनुसंधान।